लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 23 January 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 1 & 6

अब घर चलकर आएगी आपकी डिग्री

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब छात्रों की डिग्री उनके घर भेजेगा। इसकी शुरुआत हाल ही पासआउट हुए सत्र 2021-22 के विद्यार्थियों से होगी। इसका लाभ विश्वविद्यालय के साथ-साथ सहयुक्त कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी मिलेगा। इससे विद्यार्थियों, खासकर कॉलेज के विद्यार्थियों की भागदौड़ व आर्थिक शोषण भी रुकेगा। डिग्री डिजी लॉकर पर भी अपलोड कर दी गई है।

लविवि इस बार से कर रहा शुरुआत, विवि-कॉलेज दोनों के छात्र होंगे लाभान्वित

विश्वविद्यालय की अभी तक की व्यवस्था के अनुसार कॉलेज के विद्यार्थियों की डिग्री पहले कॉलेज को भेजी जाती है। विद्यार्थी यहीं से डिग्री ले जाते हैं। इस प्रक्रिया में काफी समय लगता था और कुछ कॉलेजों में विद्यार्थियों को परेशान भी किया जाता था। वहीं, विश्वविद्यालय में विभागों को डिग्री भेजी जाती थी, जहां से विभाग विद्यार्थियों को उपलब्ध कराते थे। इस प्रक्रिया में लगने वाले समय व अन्य चीजों को देखते हुए विवि प्रशासन ने इसमें बदलाव करने का निर्णय लिया है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय ने डाक विभाग से एमओयू किया है। इसके तहत अब विद्यार्थियों की डिग्री सीधे उनके घर भेजी जाएगी। यह प्रक्रिया सत्र 2021-22 में पास आउट हुए 42,688 विद्यार्थियों से शुरू होगी। विद्यार्थियों से लिए गए आवेदन में उनके पते भी लिए गए थे। उसी पते पर डिग्री भेजी जाएगी। इसकी प्रक्रिया सोमवार से शुरू की जाएगी।

लविवि : इंटर हॉस्टल फेस्ट आज से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत उत्सव के समापन व दीक्षांत के आयोजन के साथ ही सोमवार से इंटर हॉस्टल फेस्ट की शुरुआत होने जा रही है। 23 से 28 जनवरी तक आयोजित फेस्ट में पुरुष व महिला छात्रावासों में दर्जनों खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें 17 छात्रावासों के 2000 विद्यार्थी शिरकत करेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 6

4 महीने में 1000 को कैंपस प्लेसमेंट

■ एनबीटी सं, लखनऊ

नैक ए डब्ल प्लस मिलने के बाद लगातार कई प्रतिष्ठित कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए एलयू पहुंच रही हैं। चार महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो एलयू की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के जरिए सैकड़ों स्टूडेंट्स को अच्छे पैकेज मिले हैं।

एलयू में 4 महीनों में करीब 1000 स्टूडेंट्स को अलग-अलग 60 से अधिक मल्टीनेशनल कंपनियों ने प्लेसमेंट दिया है। सेन्ट्रल प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) की डायरेक्टर प्रो. मधुरिमा लाल के मुताबिक 600 छात्र ऐसे हैं जिन्हें पेड इंटर्नशिप मुहैया करवाई गई है। इतनी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट पहली बार हुआ। दो दिव्यांग को भी प्लेसमेंट मिला है।

ओएनजीसी ने किया दो छात्रों का चयन

ओएनजीसी ने एलयू के भूगर्भ विभाग के दो छात्रों का चयन किया। उन्हें 23.61 लाख रुपये का सालाना पैकेज दिया है। विश्वविद्यालय के कई स्टूडेंट्स को सालाना 10 लाख रुपये का पैकेज ऑफर मिला है। इसके अलावा स्कॉलर में एलयू के करीब 40 छात्रों को सालाना 6 लाख रुपये व 7 लाख रुपये का जॉब ऑफर दिया गया है। प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि सबसे अधिक मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले बच्चों को कैंपस प्लेसमेंट में मौका मिला है। इसके बाद इंजिनियरिंग के स्टूडेंट हैं।

JAGRAN CITY PAGE IV

घर भेजी जाएंगी विद्यार्थियों की डिग्रियां

लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग इसी सप्ताह शुरू करेगा प्रक्रिया

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं डिग्री कालेजों के छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। अब उनकी डिग्रियां अब उनके घर के पते पर डाक के माध्यम से भेजी जाएंगी। इसी सप्ताह प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है ताकि समय से विद्यार्थियों को डिग्रियां मिल सकें।

42,688
छात्र-छात्राओं को डिग्री दी गई है इस बार

लवि के दीक्षा समारोह में इस बार स्नातक और परास्नातक को मिलाकर 42,688 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय कैंपस से जो भी छात्र-छात्राएं पास होकर निकलते हैं, उनकी डिग्रियां संबंधित विभाग को भेजी जाती हैं। वहीं, डिग्री कालेजों के विद्यार्थियों की डिग्री उनके संस्थान में भेजने की व्यवस्था है। छात्र-छात्राएं वहीं से उसे लेते हैं। पिछले साल राजभवन की ओर से निर्देश दिए थे कि डिग्रियां विद्यार्थियों के घर भेजने की व्यवस्था की जाए। अब यह सुविधा देने की तैयारी है। इस बार जितने भी विद्यार्थी हैं, उनकी डिग्रियां घर के पते पर भेज दी जाएगी। इसके लिए विद्यार्थियों के आवेदन फार्म में जो पता दर्ज है, उसी पर डिग्री डाक माध्यम से पहुंचेंगी।

कालेजों को डिग्री भेजने की व्यवस्था डाक के माध्यम से की जाती है। इसके लिए डाक विभाग से एमओयू है। इसी के माध्यम से घर भेजने की प्रक्रिया होगी।

सर्वेक्षण में मिलीं 25 जलीय पक्षियों की प्रजातियां

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्य जीव विज्ञान संस्थान ने रविवार को इटौंजा और सीतापुर में एशियाई जलीय पक्षियों का सर्वेक्षण कराया। इसके लिए दोनों स्थानों पर एक-एक टीम भेजी गई। शाम को टीम ने अपनी-अपनी रिपोर्ट संस्थान की कोआर्डिनेटर को सौंपी, जिसमें दोनों जगह पर 25 प्रजातियां देखने को मिलीं। कई ऐसे नम भूमि क्षेत्र भी हैं, जिन्हें संरक्षित करने की जरूरत है। अब संस्थान इसकी रिपोर्ट जैव विविधता बोर्ड को भेजेगा।

उत्तर प्रदेश जैव विविधता बोर्ड की ओर से एशियाई जल पक्षी सर्वेक्षण-2023 का आयोजन सात से 22 जनवरी तक कराया गया था। रविवार को लवि के वन्य जीव विज्ञान संस्थान ने अपनी तरफ से दो टीमें भेजकर यह सर्वेक्षण किया। संस्थान की कोआर्डिनेटर प्रोफेसर अमिता कनौजिया ने बताया कि

लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्य जीव विज्ञान संस्थान ने रविवार को इटौंजा में कराया जलीय पक्षियों का सर्वेक्षण। टीम को देखने को मिली विभिन्न प्रजातियां • सौजन्य से संस्थान

इटौंजा में सर्वेक्षण के लिए ज्योति अंतिल, वैभव गुप्ता, सुनीता यादव और रेखा यादव गई थीं। वहां इटौंजा में नौ प्राकृतिक तालाबों का भ्रमण किया गया। इटौंजा के बेहड़ा, सावताल, वार्ड -1 से लगभग 25 विभिन्न प्रजातियां देखने को मिलीं। इनमें एशियन ओपनबिल, काले पंख वाले स्टिल्ट, मलार्ड बतख, पन कौआ, तालाब बगुला सहित कई बड़े पन कौओ (कार्मोरेंट्स), सारस क्रेन, कांस्य पंख वाले जैकाना, कामन मोरहेन सहित कई जलीय चिड़ियां देखी गईं। कुछ झीलें अत्यधिक प्रदूषित थीं, लेकिन पास में उपयुक्त निवास स्थान की कमी के कारण जल पक्षी प्रजातियां वहां पनप रही थीं।

सीतापुर में दिखीं 15 प्रजातियां : सीतापुर में सर्वेक्षण के लिए कृतिका राव, प्रियंका, सिद्धार्थ व अंजलि टीम में शामिल रहीं। टीम ने बड़ा तालाब, राजा तालाब, आलम्मदतपुर, पंवारिया ताल, हुडा ताल, देवघर ताल आदि के रूप में सात नम भूमि क्षेत्र का भ्रमण किया। यहां पक्षियों की प्रजातियों में ग्रे बगुला, किंगफिशर, बतख, हंस, सारस, काला ड्रोंगो, एग्रेट, फ्लाई कैचर, जैकाना, लैपविंग आदि दिखे। पानी के पक्षियों की कुल 15 प्रजातियों की सूचना मिली। कुल जलीय पक्षियों की संख्या यहां 250 नजर आई।